भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1208

दिनांक 06 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

'पोषण' अभियान के अंतर्गत लाभार्थी

1206. श्री मुरसोली एस.:
श्री रॉबर्ट ब्रूस सी.:

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'पोषण' अभियान के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य को आबंटित निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त राज्य के तंजावुर और तिरुनेलवेली जिले में लाभार्थियों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान देश में पोषण संबंधी आवश्यकताओं के संबंध में कोई व्यापक अध्ययन कराया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क): मिशन पोषण 2.0 के तहत, वित्त वर्ष 2025-26 में तमिलनाडु राज्य को आज तक 3593.76 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं।

(ख): तंजावुर और तिरुनेलवेली जिले में लाभार्थियों की संख्या पोषण ट्रैकर डैशबोर्ड पर उपलब्ध है: https://www.poshantracker.in/statistics.

(ग): और (घ): वर्ष 2021 में, विश्व बैंक ने 11 प्राथमिकता वाले राज्यों में पोषण अभियान पर एक सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य कार्यक्रम के माध्यम से प्रदान की जा रही

पोषण सेवाओं का आकलन करना तथा यह पता लगाना या की क्या लाभार्थियों के पोषण संबंधी ज्ञान में सुधार हुआ है और क्या उनके द्वारा पोषण और आहार संबंधी अधिक उपयुक्त पद्धतिया अपनाई गई है।

इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों से पता चला कि पोषण अभियान के माध्यम से दी जाने वाली सेवाएं - प्रासंगिक संदेशों की प्राप्ति, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा घर-घर जाकर सहायता करना और सामुदाय आधारित कार्यक्रमों में भाग लेना - पोषण संबंधी व्यवहारों में सुधार से इस संबंधित थीं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि कार्यक्रम के पोषण संबंधी संदेश 80% से अधिक महिलाओं तक पहुंचे और 81% महिलाओं ने पहले छह महीना तक केवल स्तनपान कराया।

इसके अलावा, नीति आयोग द्वारा 2020 और 2025 में पोषण अभियान का तृतीय पक्ष मूल्यांकन और प्रभाव आकलन में किया गया और इसमें पाया गया कि देश में कुपोषण से निपटने के लिए पोषण अभियान प्रासंगिकता संतोषजनक है।

****